Fourteenth Loksabha

Session : 7
Date : 13-03-2006

Participants : Singh Shri Prabhunath

an>

Title : Reported move to change the jurisdiction of 16 Railway Zones in the Country.

श्री प्रभुनाथ सिंह : अध्यक्ष महोदय, यहां एक नई बात आई है। दैनिक जागरण में 11 तारीख को जो खबर छपी है, उसके आधार पर मैं सरकार का ध्यान इस ओर आकृट करना चाहता हूं। आपको और पूरे सदन को स्मरण होगा कि रेलवे में पहले नौ ज़ोन थे। जब श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी की सरकार बनी और नीतीश जी रेल मंत्री थे, उस समय प्रशासनिक एवं भौगोलिक दृटिकोण से समीक्षा करते हुए इनकी संख्या बढ़ाकर 16 ज़ोन की गई, जिसमें एक ज़ोन मध्य और पूर्व रेलवे का कार्यालय हाजीपुर में रखा गया था। उस समय कई तरह के विवाद हुए थे और सर्वोच्च न्यायालय तक मामला गया था। प्रधान मंत्री के यहां बैठकर विधिवत् भौगोलिक और प्र शासनिक कारणों की समीक्षा भी की गई थी। इसके बाद उसका निर्माण किया गया था। अभी दैनिक जागरण में जो खबर छपी है, उससे जानकारी मिली है कि रेल मंत्रालय द्वारा ज़ोनों के पुनर्गठन के लिए और उसमें आने वाले इलाकों को घटाने और बढ़ाने के लिए सभी ज़ोनल मैनेजरों से एक प्रतिवेदन मांगा गया है जो रेल मंत्रालय को मिल चुका है। मेरी जानकारी के अनुसार तथा अखबार में लिखी हुई बात के अनुसार हाजीपुर में धनबाद से हटाकर उसे पूर्ववत् बंगाल में ले जाया जा रहा है जो किसी भी तरह से ठीक नहीं है। ...(व्यवधान)

श्री बसुदेव आचार्य (बांकुरा) : आप बंगाल क्यों बोल रहे हैं? भागलपुर भी है पूर्व रेलवे में। आप बंगाल क्यों बोलते हैं? पूर्वी रेलवे कहें। ...(व्यवधान)

श्री प्रभुनाथ सिंह : हम इनकी बात मान लेते हैं। उसे पूर्वी रेलवे में ले जाने की साजिश की जा रही है और जो पांच राज्यों में चुनाव हो जा रहे हैं, उसको दृटि में रखते हुए रेल राजनीति शुरू की जा रही है। ...(व्यवधान) हम सरकार से निवेदन करना चाहते हैं कि यह बिहार के हक का सवाल है। मैं प्रियरंजन दासमुंशी जी से कहना चाहता हूं कि अगर ऐसे संवेदनशील सवालों पर आँख लगाई गई तो हम कहते हैं कि अनहोनी घटना होगी। बिहार के लोग सड़कों पर उतरेंगे। ...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Don't make any threats.

... (*Interruptions*)

श्री प्रभुनाथ सिंह : हम निवेदन करना चाहते हैं कि इस तरह की अनावश्यक छेड़छाड़ का काम मत कीजिए। ऐसा करेंगे तो बंगाल में जो चुनाव होने जा रहे हैं, हम वहां इनका भट्ठा बैठा देंगे। इसलिए हम निवेदन करना

चाहते हैं कि इस तरह से छेड़छाड़ मत कीजिए। जो हाजीपुर मुख्यालय है और उसमें जो धनबाद मंडल है, उसको वैसे ही रहने दीजिए। ...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: No provocation.

... (*Interruptions*)

श्री बसुदेव आचार्य : यह बहुत अच्छा सुझाव है। धनबाद में ही रखना चाहिए।

MR. SPEAKER: Let us not divide the country.

...(व्यवधान)